अध्याय - 02

विश्व जनसंख्या: वितरण, घनत्व और वृद्धि

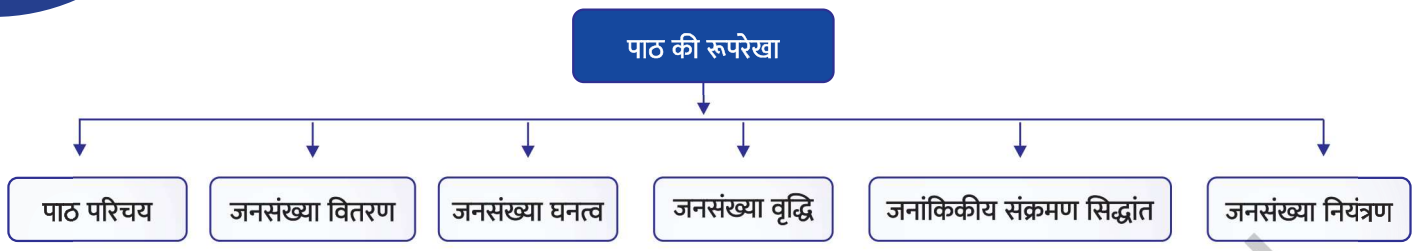

© JCERT not to be republished

जनसंख्या वितरण

भूतल पर मानव कहां और कितनी संख्या में पाए जाते हैं इसका विवरण जनसंख्या वितरण कहलाता है।

वर्ष 2018 के अनुसार विश्व की जनसंख्या 762 करोड़ थी जिसमें 58% आबादी सर्वाधिक 10 जनसंख्या वाले देशों में है जिनका क्रम है: चीन, भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, ब्राजील, नाइजीरिया, बांग्लादेश, रूस और मैक्सिको।

महाद्वीपीय स्तर पर जनसंख्या वितरण प्रारूप को देखते हैं तो सर्वाधिक जनसंख्या वाला महाद्वीप क्रम से है: एशिया, अफ्रीका, यूरोप, उत्तरी अमेरिका, दक्षिण अमेरिका और ओसेनिया।

भूमि के प्रत्येक इकाई क्षेत्र में निवास करने वाले लोगों की संख्या को जनसंख्या घनत्व कहते हैं अर्थात मनुष्य की संख्या एवं भूमि के अनुपात को जनसंख्या घनत्व कहते हैं। इसे प्रति वर्ग किलोमीटर के आधार पर मापा जाता है।

विश्व में जनसंख्या वितरण एवं घनत्व का समानुपातिक संबंध पाया जाता है। अतः जहां जनसंख्या अधिक है वहीं घनत्व अधिक है जैसे, मंगोलिया -2, ऑस्ट्रेलिया -3, रूस-9, जापान -347, भारत- 464, बांग्लादेश -1265 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर।

विश्व में जनसंख्या घनत्व वितरण में महाद्वीपीय एवं देश के स्तर पर काफी भिन्नता पाई जाती है। अतः विश्व जनसंख्या को 4 वर्गों में विभाजित करते हैं।

- अधिक जनसंख्या वाले क्षेत्र (जन घनत्व 150 से अधिक, 80% जनसंख्या): a. पूर्वी दक्षिणी एवं दक्षिण पूर्व एशिया b. उत्तर-पश्चिमी एवं मध्य यूरोप c. उत्तर पूर्व उत्तरी अमेरिका
- मध्यम जनसंख्या वाले क्षेत्र (जनघनत्व-10-100, 15 प्रतिशत आबादी): भूमध्य सागर के तटवर्ती देश, उत्तरी अफ्रीका, मध्य अमेरिका, दक्षिण पूर्व आस्ट्रेलिया, तटवर्ती अफ्रीका
- अल्प जनसंख्या वाले क्षेत्र (जन घनत्व 1 से 10, 5% जनसंख्या): मरुस्थलीय, भूमध्यरेखीय क्षेत्र, अमेजन बेसिन, उत्तरी अर्जेंटीना, पश्चिमी साइबेरिया, टैगा वन क्षेत्र, तिब्बत, मंगोलिया, यूरेशिया
- निर्जन क्षेत्र (Non Ecumene) 65% क्षेत्रफल : ठंडे मरुस्थलीय, शुष्क मरुस्थलीय, उच्च पर्वतीय, विषुवतीये आर्द्र वन

विश्व जनसंख्या वितरण एवं घनत्व में काफी असमानता पाई जाती है इस असमानता के कई कारक हैं

भौगोलिक कारक: भौगोलिक तत्व जनसंख्या को काफी हद तक नियंत्रित करती है यही कारण है कि अनुकूल भौगोलिक परिस्थिति वाले क्षेत्र में ऊंचे जनघनत्व मिलते हैं

- जलवायु
- भू आकृति
- मिट्टी
- जल

सामाजिक एवं आर्थिक कारक

- खनिज पदार्थ
- उद्योग
- नगरीकरण

- समाजिक संस्कृति कारक
- राजनीति कारक
- जनांकिकीय कारक

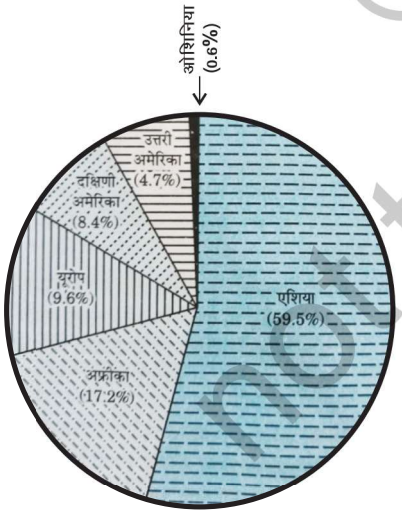

विश्व के महाद्वीपों में विश्व की कुल जनसंख्या का प्रतिशत

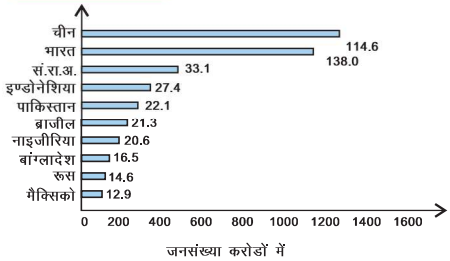

विश्व के सर्वाधिक जनसंख्या वाले 10 देशों की जनसंख्या

© JCERT not to be republished

जनसंख्या वृद्धि

जनसंख्या वृद्धि या जनसंख्या परिवर्तन से आशय है एक निश्चित समय एवं क्षेत्र में होने वाले जनसंख्या आकार मे बदलाव, यह धनात्मक या ऋणात्मक हो सकती है।

- जनसंख्या परिवर्तन में होने वाले बदलाव किसी क्षेत्र के आर्थिक, सामाजिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थिति का सूचक है।
- जनसंख्या वृद्धि की प्रवृत्ति
  - समय एवं क्षेत्र के अनुसार वृद्धि की प्रवृत्ति भिन्न-भिन्न होती है इसी कारण जनसंख्या वृद्धि प्रवृत्ति को दो भागों में बांटा जाता है
    - समय के अनुसार -1850 इस्वी के पूर्व 1850 के बाद
      - 1850 के पूर्व जनसंख्या वृद्धि दर धीमा था क्योंकि उत्पादन एवं तकनीक पिछड़ी अवस्था में थी अतः जन्म दर एवं मृत्यु दर ऊंचा था जबकि 1850 के बाद तकनीकी क्रांति ने उत्पादन एवं जन स्वास्थ्य सुविधाओं में वृद्धि की जिससे जनसंख्या तेजी से बढ़ी (जन्म दर अधिक मृत्यु दर कम)
    - क्षेत्र के अनुसार - a. विकसित देश, b. विकासशील देश
      - विकसित देशों में जनसंख्या, स्थिरीकरण या ऋणात्मक अवस्था में है, वही विकासशील देशों में जनसंख्या अभी भी तेज बनी हुई है हालांकि वृद्धि में कमी आई है
        - जनसंख्या परिवर्तन का प्रभाव विकसित एवं विकासशील देशों पर अलग-अलग पड़ता है
          - विकसित देश में: विषम आयु संरचना, प्रजाति विनाश, बहुवादी समाज से सामाजिक तनाव, वृद्ध की संख्या में वृद्धि, कार्यशील आबादी में कमी, गैरकुशल श्रमिक की कमी
          - विकासशील देश में: जनसंख्या विस्फोट, संसाधनों की कमी, निम्न आय, पर्यावरणीय समस्या, कुपोषण, नगरीय विस्फोट, स्थानांतरण, कार्यशील आबादी की अधिकता, जनस्वास्थ्य की कमी, बेरोजगारी
- महादेश स्तर पर जनसंख्या का प्रकृतिक विधि दर है: अफ्रीका 2.5, ओसेनिया 1.3, एशिया 0.86, उत्तरी अमेरिका 0.6 2, यूरोप 0.06
- 1A.D. में विश्व जनसंख्या 30 करोड़ थी, 1804 में 100 करोड़, 1927 में 200 करोड़, 1974 में 400 करोड़, 2022 में 800 करोड़, 12 अक्टूबर 1999 -6 अरब, 31 अक्टूबर 2011 -7 अरब

जनसंख्या परिवर्तन के घटक हैं

- **जन्म दर** - इसकी गणना प्रति हजार स्त्रियों द्वारा जन्म दिए गए जीवित बच्चे से होती है
- **मृत्यु दर** - 1 वर्ष में प्रति हजार जनसंख्या में मृतकों की संख्या
- **प्रवास** - जनसंख्या परिवर्तन का महत्वपूर्ण घटक है जब व्यक्ति अपने मूल स्थान को छोड़कर दूसरे जगह निवास करता है उसे प्रवास कहते हैं
  - प्रवास - इससे उद्गम स्रोत पर जनसंख्या में कमी एवं गंतव्य स्थान पर वृद्धि होती है
  - समय के आधार पर प्रवास तीन प्रकार के होते हैं: a. स्थाई, b. अस्थाई, c.मौसमी
  - आप्रवास एवं उत्प्रवास-प्रवासी जहां पहुंचता है उसे आप्रवास, जिस स्थान को छोड़ता है उसे वहां उत्प्रवास कहते हैं
  - प्रवास प्रवाह- प्रवास में उद्गम एवं गंतव्य स्थान वाले प्रवासियों के समूह को प्रवास प्रवाह कहते हैं। जैसे, गांव से नगर ,गांव से गांव ,नगर से नगर
    - **प्रवास के कारक**
      - प्रतिकर्ष कारक- ऐसे कारण जो प्रवासी को अपने मूल स्थान छोड़ने के लिए प्रेरित करें। जैसे, बेरोजगारी, निम्न जीवन स्तर, राजनीतिक अशांति, प्रतिकूल जलवायु, प्राकृतिक आपदा, पिछड़ापन
      - अपकर्ष कारक- ऐसे कारक जिससे प्रवासी दूसरे जगह जाने को प्रेरित होते हैं। जैसे, रोजगार के अवसर, बेहतर जीवन स्तर, अनुकूल दशाएं, शांति एवं स्थायित्व, जीवन एवं संपत्ति की सुरक्षा

© JCERT not to be republished

जनांकिकीय संक्रमण सिद्धांत

प्रतिपादक - थॉमसन एवं नोटेस्टीन

मूल अवधारणा - जनसंख्या वृद्धि का सामाजिक, आर्थिक परिस्थितियों के बीच संबंध होता है।

- यह सिद्धांत विकसित देशों के जन्म दर, मृत्यु दर एवं प्राकृतिक वृद्धि दर पर आधारित है।
- यह सिद्धांत बताता है कि कैसे जनसंख्या उच्च जन्म एवं मृत्यु दर से निम्न जन्म मृत्यु दर पर पहुंचता है इसी के अनुरूप सामाजिक आर्थिक रूपांतरण द्वारा अशिक्षित ग्रामीण समाज शिक्षित नगरीय समाज में बदलता है।
- आलोचना यह मॉडल सभी देशों पर समान रूप से लागू नहीं होता, जनांकिकी संक्रमण की गति एवं अवधि विभिन्न प्रदेशों में समान नहीं है, यह सिद्धांत चीन, तेल उत्पादक देश पर लागू नहीं होता है।

नोटेस्टीन ने अपने सिद्धांत में जनसंख्या संक्रमण के तीन अवस्थाओं के बारे में बताया है लेकिन वर्तमान में तीन से पांच अवस्थाएं मानी जाती है

- **प्रथम अवस्था:-** उच्च जन्म दर एवं उच्च मृत्यु दर (35 प्रति हजार) जनसंख्या स्थिर, औद्योगिक क्रांति से पूर्व की दशा बताती हैं।
- **दूसरी अवस्था:-** उच्च जन्म दर (30 प्रति हजार) मृत्यु दर में गिरावट (15 प्रति हजार) जनसंख्या विस्फोट की स्थिति, उदाहरण अफ्रीका लैटिन अमेरिका पश्चिमी एशिया 1991 के पूर्व का भारत।
- **तीसरी अवस्था:-** जन्म दर में तेजी से घटती है, मृत्यु दर में भी गिरावट आती है अतः यह अवस्था जनसंख्या स्थिरीकरण या मंद वृद्धि का हैं। उदाहरण यूरोपीय देश, जापान।

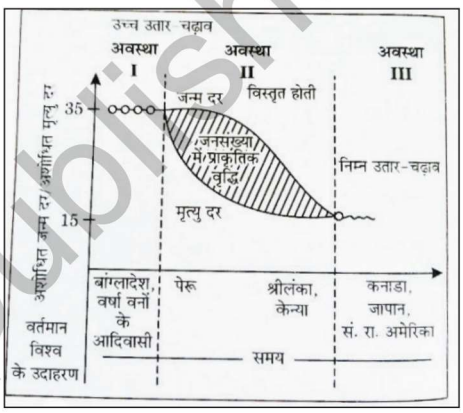

जनसंख्या संक्रमण के तीन अवस्थाएँ

जनसंख्या नियंत्रण

विश्व की बढ़ती जनसंख्या ने कई सामाजिक आर्थिक संकट पैदा कर दी अतः इस पर नियंत्रण के लिए कई उपायों को अपनाया गया

- परिवार नियोजन शिक्षा विस्तार महिला अधिकार स्वास्थ्य सुविधा इत्यादि उपलब्ध करा कर जनसंख्या नियंत्रण का प्रयास किया गया
- जनसंख्या नियंत्रण सिद्धांत की दो धाराएं हैं a. प्राकृतिक आधारित सिद्धांत b. सामाजिक आधारित सिद्धांत
- समाजिक आधार पर आधारित सिद्धांत में कॉल मार्क्स का जनसंख्या संबंधी सिद्धांत में बताया गया है कि जनसंख्या वृद्धि संबंधी समस्या आर्थिक कारकों के कारण है अतः आर्थिक विषमता को खत्म करके ही जनसंख्या वृद्धि संबंधी समस्या से निदान पाया जा सकता है।
- माल्थस का सिद्धांत 1879 में दिया गया जिसमें है जनसंख्या वृद्धि से मानव कल्याण पर पड़ने वाले प्रभाव का वर्णन था।
  - माल्थस ने बताया कि खाद्यान्न उत्पादन अंकगणितीय गणना से एवं जनसंख्या ज्यामितीय गणना से बढ़ती है।
  - जनसंख्या वृद्धि पर मानव स्वत नियंत्रण नहीं लगाया तो प्रकृति इस पर नियंत्रण स्थापित करेगी।

© JCERT not to be republished

अभ्यास

प्रश्नावली

1. निम्नलिखित में से किस महाद्वीप में जनसंख्या वृद्धि सर्वाधिक है?

a. अफ्रीका b. एशिया c. दक्षिण अमेरिका d. उत्तरी अमेरिका

2. निम्नलिखित में से कौन सा एक विरल जनसंख्या वाला क्षेत्र नहीं है?

a. अटाकामा b. भूमध्यसागरीय प्रदेश c. दक्षिणी पूर्वी एशिया d. धुर्वीय प्रदेश

3. निम्नलिखित में से कौन सा एक प्रवास का प्रतिकर्ष कारक नहीं है?

a. जलाभाव b. बेरोजगारी c. चिकित्सा/शैक्षणिक सुविधाएं d. महामारी

4. निम्नलिखित में से कौन सा एक तथ्य सही नहीं है?

a. विगत 500 वर्षों में मानव जनसंख्या 10 गुना से अधिक बढ़ी है

b. विश्व जनसंख्या में प्रतिवर्ष 8 करोड लोग जुड़ जाते हैं

c. 5 अरब से 6 अरब तक बढ़ने में जनसंख्या को एक 100 वर्ष लगे हैं

d. जनांकिकीय संक्रमण की प्रथम अवस्था में जनसंख्या वृद्धि ऊंच होती है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करने वाले तीन भौगोलिक कारकों का उल्लेख करें

2. विश्व में उच्च जनसंख्या घनत्व वाले अनेक क्षेत्र हैं। ऐसा क्यों होता है?

3. जनसंख्या परिवर्तन के 3 घटक कौन से हैं?

4. अंतर स्पष्ट कीजिए

a. जन्म दर और मृत्यु

b. प्रवास के प्रतिकर्ष कारक और अपकर्ष कारक

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. विश्व में जनसंख्या के वितरण और घनत्व को प्रभावित करने वाले कारकों की विवेचना कीजिए

2. जनांकिकीय संक्रमण की तीन अवस्थाओं की विवेचना कीजिए

© JCERT not to be republished